- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 बिहार ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के पहले दिन 554 करोड़ रुपये के एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

04 साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी: कांतेश मिश्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, गुरुवार, 14 दिसम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 302

बर्दवान रेलवे स्टेशन पर वॉटर टैंकर गिरने से तीन यात्रियों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बर्दवान रेलवे स्टेशन पर बुधवार को बड़ी दुर्घटना हुई है। यहां अचानक पानी का टैंकर टूट कर गिर पड़ा जिसमें कई लोग दब गए। टैंकर से दब कर मौके पर ही तीन यात्रियों ने दम तोड़ दिया जबकि कई अन्य के गंभीर रूप से घायल होने के दावे किए जा रहे हैं। दुर्घटना की वजह से ट्रेनों की आवाजाही रोकनी पड़ी है।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि प्लेटफार्म नंबर दो और तीन के बीच पानी का टैंकर टूट कर गिरा। सूचना मिलने के तुरंत बाद अग्निशमन विभाग, रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे की टीम मौके पर पहुंची है। राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) के जवान तत्परता से मलबे में दबे लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। मलबे से तीन लोगों की बॉडी मिली, जिन्हें अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कौशिक मित्रा ने बताया कि रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर हैं। दोपहर करीब 12:30 बजे के करीब यह दुर्घटना घटी। घायलों को बर्दवान मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। दुर्घटना की वजह से ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक बड़ी संख्या में यात्री नीचे बैठ कर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे, उसी समय तेज आवाज के साथ पानी का टैंकर टूट कर गिर पड़ा। इसमें कई यात्री दब गए।

पटना हाईकोर्ट ने मोतिहारी रेडक्रॉस सोसायटी चुनाव को ठहराया अवैध

शहर में चर्चाओं के बाजार गर्म, रेडक्रॉस के सभी कार्यकारिणी सदस्यों की सदयस्ता समाप्त

पटना उच्च न्यायालय ने 1351 नये सदस्यों की वैधता को ठहराया अवैध

डीएम की देखरेख में रेडक्रॉस का होगा संचालन, प्रबंध समिति अवैध घोषित, फिर से होगी चुनाव

राकेश कुमार

मोतिहारी। काफी जद्दोजहद व विवादों के बीच 11 साल बाद सम्पन्न हुए मोतिहारी रेड क्रॉस की नवगठित टीम पर एक बार फिर से संकट के बादल छा गए है। चुनाव के घोषणा के बाद से ही लगातार विवादों में चल रहे मोतिहारी रेडक्रॉस सोसायटी के चुनाव को पटना हाई कोर्ट ने पूरी चुनावी प्रक्रिया को ही अवैध ठहराते हुए रद्द कर दिया है।

चुनाव को अवैध ठहराये जाने के बाद कड़ाके की शीतलहर के बावजूद भी शहर में चर्चाओं के बाजार गरम है। इधर हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि इसके बाद होने वाले चुनाव में जिलाधिकारी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बताया गया है कि पटना हाईकोर्ट में मोतिहारी निवासी अधिवक्ता कुमार अमित व एक याचिकाकर्ता द्वारा दायर किए गये याचिका- सीडब्लूजेसी 9954/2022 की सुनवाई के बाद चुनाव को रद्द करने का फैसला सुनाया गया है। जिसके बाद शहर में हड़कंप मच गया है। फैसले में बताया गया है कि चुनाव के नोटिफिकेशन के बाद बनाये गये 1351 आजीवन सदस्यों की सदस्यता की मंजूरी नेशनल कमिटी से नहीं ली गई थी। जो नियम विरुद्ध माना जायेगा। ऐसे में उक्त सभी की सदस्यता को अवैध करार दिया गया है। 6 जुलाई को हुए मतदान में कुल 2322 सदस्यों ने भाग लिया। जिनमें 1351 वैसे सदस्य को भी वोट में भाग दिलाया गया, जिसे कोर्ट ने कानूनन अवैध माना है।

हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद साफ हो गया कि रेडक्रॉस का चुनाव में आनन फानन में रुपए का खूब खेल हुआ और घर पकड़ कर वोटर बनाये गए । जिसका नतीजा है कि इस चुनाव में वैसे कई प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा, जिन्होने सामाजिक स्तर पर पीड़ति, शोषित, वंचितों और गरीब मजलूमों के लिए सेवा भावना से काम किया था। हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद अब फिर से चुनाव होने तक रेडक्रॉस सोसईटी का संचालन जिलाधिकारी की देख-रेख में किया जायेगा।

सनद रहे कि मोतिहारी रेडक्रॉस प्रबंधकारिणी के गठन के लिए 12 जून 2022 को मतदान कराया गया था। मतदान के बाद आये परिणाम को चुनौती देते हुए अधिवक्ता कुमार अमित के द्वारा पटना हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर किया गया था। जिस पर 11 दिसम्बर 2023 को फैसला आया है। जिसके बाद पूरे जिले में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

विष्णुदेव साय ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में विष्णुदेव साय ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। इसी के साथ विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के चौथे मुख्यमंत्री बन गए हैं। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने इस मौके पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री के रूप में अरूण साव एवं विजय शर्मा को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास अठावले, राज्यसभा सांसद जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा विशेष रूप से मौजूद थे। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने इस मौके पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री के रूप में अरूण साव एवं विजय शर्मा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह एवं भूपेश बघेल, पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, पूर्व सांसद ओम माथुर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

राजनीति केन्द्रीय गृह मंत्री को दोनों सदनों में इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए

संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर जवाब दें गृह मंत्री : खड़गे

बीएनएम@नई दिल्ली

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि बुधवार को संसद की सुरक्षा में आज एक बड़ी चूक हुई है। यह एक गंभीर मामला है। केन्द्रीय गृह मंत्री को दोनों सदनों में इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए।

खड़गे ने आज राज्यसभा में आसन के माध्यम से मांग करते हुए कहा, ''हम चाहते हैं गृह मंत्री अमित शाह संसद के दोनों सदन में मुद्दे पर जवाब दें।''

उन्होंने कहा कि यह प्रश्न है कि इतनी सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच कैसे दो लोग अंदर आए और लोक सभा की दर्शक दीर्घा से

सदन में कूद कर गैस स्प्रे तथा नारेबाजी करने लगे? हम उम्मीद करते हैं कि सरकार इस पूरे मुद्दे को गंभीरता से लेगी। हम पूरी घटना की गहन जांच की मांग करते हैं।

इस मुद्दे पर सभापति ने अपने जवाब में कहा कि लोकसभा दर्शक दीर्घा में घुसपैठ करने वालों को तुरंत पकड़ लिया गया था। मामले की जांच की जा रही है। परिणाम आते ही वह सदस्यों को सूचित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि आज लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दो युवक दर्शक दीर्घा से सदन में कूद गए। इस दौरान दोनों युवकों ने नारेबाजी की और रंगीन गैस का स्प्रे किया। इससे संसद में धुआं फैल गया और लोकसभा अध्यक्ष को कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी थी।

डॉ. मोहन यादव बने मध्य प्रदेश के 19वें मुख्यमंत्री

भोपाल। डॉ. मोहन यादव मध्य प्रदेश के 19वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राजधानी भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित समारोह में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही राज्यपाल पटेल ने जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित विधायक, भाजपा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, स्वयंसेवक और आम नागरिक उपस्थित थे। शपथ ग्रहण समारोह में केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केन्द्रीय नागरिक विमानन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने सरकारी अस्पताल में करवाई पत्नी की डिलीवरी

कैमूर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की तारीफ करते नहीं थकते हैं। लेकिन हकीकत किसी से छिपी नहीं है। अगर आप गरीब की श्रेणी में आते हैं तो सरकारी अस्पताल का रुख करेंगे, लेकिन आपकी जेब में पैसा है, आप बड़े लोग हैं, तो आप प्राइवेट नर्सिंग होम या अस्पताल का रुख करेंगे। लेकिन बिहार के कैमूर जिले के जिलाधिकारी ने एक नजीर पेश कर दी है। कैमूर जिले के डीएम सावन कुमार ने अपनी पत्नी को प्रसव (डिलीवरी) के लिए सदर अस्पताल में भर्ती (12 दिसंबर) कराया। इसके बाद डॉक्टर किरण सिंह की देखरेख में सिजेरियन से प्रसव कराया गया। डॉक्टरों की मानें तो जच्चा और बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ हैं, जिलाधिकारी को बेटा हुआ है। फिलहाल डीएम सावन कुमार की पत्नी और बच्चे को सदर अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

कानून व्यवस्था पर नीतीश की पैनी नजर

पटना। बिहार पुलिस में महिला पुलिसकर्मियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए थाना और ओपी परिसर में ही महिला सिपाही बैरक बनाए जाएंगे। राज्य के 545 थाना व ओपी में महिला बैरक का निर्माण किया जाएगा। इस योजना पर करीब 256 करोड़ 30 लाख की राशि खर्च होगी। गृह विभाग ने योजना की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी है। विभागीय जानकारी के अनुसार, महिला सिपाहियों के लिए तीन माडल के बैरक बनाए जाएंगे।

राज्य के 277 बड़े थानों में 20 महिला सिपाहियों की क्षमता वाले बैरक का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए जी प्लस वन संरचना का भवन निर्माण किया जाएगा। इस योजना पर 163 करोड़ 65 लाख की राशि खर्च की जाएगी।

बिहार ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के पहले दिन 554 करोड़ रुपये के एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

बीएनएम@पटना

राजधानी पटना के ज्ञान भवन में बुधवार को ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट-2023 शुरू हुआ। दो दिवसीय इस कार्यक्रम के पहले दिन 554 करोड़ रुपये निवेश के लिए 8 कंपनियों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए। दो दिवसीय वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 'बिहार बिजनेस कनेक्ट-2023' के उद्घाटन सत्र में बिहार के उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने केंद्र से राज्य में विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के निर्माण की मांग दोहराई। उन्होंने यहां पहुंचे प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि नीतीश कुमार सरकार उन्हें उद्योग स्थापित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि नई नीतियों के साथ बिहार बदल गया है। नए बिहार से जुड़ें और इसे समृद्ध करें। यदि राज्य में उद्योग बढ़ेंगे तो देश भी प्रगति करेगा। उन्होंने केंद्र से अनुरोध किया कि राज्य में कम से कम चार एसईजेड बनाए जाएं। समीर महासेठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि निवेशक बिहार आ रहे हैं। निवेश में वृद्धि से बिहार अगले पांच वर्षों में उद्योगों के मामले में शीर्ष 10 राज्यों की सूची में आ जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र को तेज विकास सुनिश्चित करने के लिए बिहार को विशेष दर्जा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का ध्यान अन्य क्षेत्रों के अलावा खाद्य प्रसंस्करण, चमड़ा, कपड़ा और सूचना प्रौद्योगिकी पर है।

इंडस्ट्री सेक्टर के लिए बेस तैयार

बिहार सरकार में मंत्री संजय झा ने कहा कि बिहार में इस तरह का समिट लंबे वक्त से हो रहा है। कोरोना काल के बाद बिहार में स्थानीय लोगों के बीच उद्यमिता बढ़ी है। बिहार में कृषि प्रोडक्शन 10 गुना बढ़ा है। हमारे पास युवा शक्ति की बड़ी फौज है। स्किल्ड लेबर है। इंडस्ट्री सेक्टर के लिए बेस तैयार हो चुका है। आने वाले वक्त में बिहार में बड़ा बदलाव होने वाला है।

देशभर के 600 उद्यमी होंगे शामिल

विकसित प्रदेशों की कतार में आने के लिए अब बिहार बेकरार है, लिहाजा 17 साल बाद बिहार में बिजनेस कनेक्ट 2023 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आज से शुभारंभ हुआ है। 13 और 14 दिसंबर को पटना के ज्ञान भवन में आयोजित होने वाले इस मेगा इवेंट के जरिए नीतीश सरकार देश-विदेश से आने वाले उद्यमियों को लुभाने की कोशिश में जुटी है। दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देशभर के 600 उद्यमी और 16 देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं।

शिखर सम्मेलन के उद्घाटन दिवस पर पहले सत्र में कपड़ा और चमड़ा क्षेत्रों पर चर्चा की गई। इस दौरान 554 करोड़ रुपये के निवेश के लिए आठ प्रमुख कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सावी लेदर्स ने 274 करोड़ रुपये, कोमल टेक्सफैब ने 100.5 करोड़ रुपये, मां प्रभावती टेक्सटाइल मिल्स ने 94 करोड़ रुपये, कॉसमस लाइफस्टाइल प्राइवेट लिमिटेड ने 52 करोड़ रुपये और भारती एक्जिम प्राइवेट लिमिटेड ने 15 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित किया है।

इस अवसर पर नाहर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के कमल ओसवाल ने कहा कि हमारा समूह जल्द ही पटना में एक लॉजिस्टिक पार्क का निर्माण करेगा। मोंटे कार्लो ब्रांड की वस्तुओं का उत्पादन अब बिहार में शुरू होगा। हमारी कंपनी पंजाब और राजस्थान में उद्योग संचालित करती है और हमारी लगभग 25,000 लोग काम करते हैं, जिनमें से लगभग 40 प्रतिशत बिहार से हैं।

नीतीश ने शिवहर-सीतामढ़ी जिले का किया दौरा

बीएनएम@पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को शिवहर और सीतामढ़ी जिले का दौरा कर विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया। सीएम ने सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम मंदिर (मां जानकी जन्म भूमि) परिसर के 72.47 करोड़ रुपये की लागत की विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इससे पहले सीएम ने शिवहर में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व रघुनाथ झा की आदमकद प्रतिमा का रिमोट के माध्यम से अनावरण किया।इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने शिवहर जिला अतिथि गृह में निर्मित होनेवाले अतिरिक्त कमरों का शिलान्यास किया तथा शिवहर नगर परिषद् में बस स्टैंड के निर्माण तथा सात निश्चय-2 के तहत शिवहर नगर क्षेत्र अन्तर्गत स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज के निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया।

सीएम ने शिवहर जिले के देकुली धाम पहुंचकर बाबा भुवनेश्वर नाथ की पूजा अर्चना की एवं राज्य की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने देकुली धाम में 11.29 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटकीय सुविधाओं के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। देकुली धाम परिसर में स्थित तालाब का मुख्यमंत्री ने जायजा लिया। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल-जीवन-हरियाली योजना के तहत तालाब का सौंदर्याकरण ठीक ढंग से कराएं।

शिवहर के बाद सीएम का काफिला सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम पहुंचा। यहां उन्होंने परिसर एवं सीताकुंड का जायजा लिया। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पुनौराधाम मंदिर के विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कराएं। मंदिर प्रांगण में स्थित सीताकुंड को ठीक ढंग से विकसित करें एवं उसका सौंदर्गीकरण बेहतर तरीके से कराएं। विकास कार्य पूर्ण होने से यहां आनेवाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी। यहां आकर उन्हें प्रसन्नता की अनुभूति होगी।

मुख्यमंत्री ने सीताकुंड एवं पुनौराधाम मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। मंदिर प्रबंधन द्वारा मुख्यमंत्री को पाग एवं अंग वस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। स्थानीय जन प्रतिनिधियों एवं नेताओं ने भी मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र भेंटकर उनका स्वागत किया।

जदयू का वाराणसी में रैली बीजेपी के लिए होगा मास्टर स्ट्रोक?

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए सीएम नीतीश कुमार एक्टिव मोड में नजर आ रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि एक तरफ जहां यूपी के वाराणसी में 24 दिसंबर को उनकी रैली प्रस्तावित है तो वहीं दूसरी ओर 29 दिसंबर को दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होगी। दिल्ली में नेताओं के साथ मंथन में लोकसभा चुनाव से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होना तय है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आफाक अहमद खान की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया, ''राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (नेता संसदीय दल) ने 29 दिसंबर 2023 को पूर्वाह्न 11:30 बजे नई दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक निर्धारित की है। इस बैठक में पार्टी के सर्वोच्च नेता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य शामिल होंगे।''

हालांकि दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद नीतीश कुमार इंडी गठबंधन के किन नेताओं से मिलेंगे इसको लेकर अभी साफ नहीं हुआ है। हाल के दिनों पांच राज्यों में हुए चुनाव को लेकर पार्टियां व्यस्त थीं। खुद नीतीश कुमार ने पटना में मंच से कहा था कि कांग्रेस चुनाव में व्यस्त है. इंडी गठबंधन पर ध्यान नहीं है। ऐसे में अब पांच राज्यों के परिणाम के बाद एक बार फिर से विपक्षी दलों का जुटान होगा।

बता दें कि लगातार इसकी चर्चा हो रही है कि नीतीश कुमार को यूपी की कई लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ने का ऑफर मिल रहा है। इसी क्रम में पीएम मोदी के गढ़ वाराणसी में नीतीश कुमार की रैली की खबर सामने आई जिसके बाद सियासत तेज हो गई है।

शराबबंदी खत्म करने के मांझी की मांग पर JDU ने दिया करारा जवाब, बोले बने बीजेपी के प्रवक्ता

बीएनएम@पटना

पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने मीडिया से लगातार यह कहते नजर आ रहे है कि बिहार में शराबबंदी खत्म होनी चाहिए। जीतन राम मांझी सरकार से यह मांग करते दिखते हैं कि बिहार में शराबबंदी खत्म होनी चाहिए। मांझी की इस मांग पर जेडीयू ने उन्हें जवाब दिया है। मद्य निषेध मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि हकीकत यह है कि जीतन राम मांझी ने कभी इसके पक्ष में वोट डाला था। बिहार में शराबबंदी हो इसके समर्थन में वो भी खड़े थे। जब तक जेडीयू एनडीए के साथ थी तब तक शराबबंदी के साथ मांझी भी थे। अब जेडीयू एनडीए में नहीं है तब मांझी भाजपा के गोद में जा बैठे हैं। इसलिए

शराबबंदी के खिलाफ वे बोल रहे हैं। बीजेपी जो निर्देश देती है वही मांझी करते हैं।

मद्य निषेध मंत्री सुनील कुमार ने यह जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर शराबबंदी को लेकर बिहार में सर्वेक्षण शुरू होने वाला है इसे लेकर डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। जल्द ही सर्वेक्षण का काम एजेंसी को दिया जाएगा और बिहार में सर्वे कराया जाएगा। सर्वेक्षण में किन-किन मापदंडों पर सवाल पूछा जाएगा इसे लेकर मंथन चल रहा है।

वही मणिपुर में शराबबंदी हटाए जाने के सवाल पर मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि मणिपुर की सामाजिक व्यवस्था है वहां के लोगों की सोच के अनुसार सरकार ने काम किया है। मणिपुर की सरकार ने शराबबंदी को चालू किया है। मणिपुर सरकार के फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते लेकिन इतना कह सकते हैं कि बिहार सरकार ने शराबबंदी को लेकर जो फैसला लिया है वह लगातार जारी है और आगे भी जारी रहेगा।

जब मद्य निषेध मंत्री सुनील कुमार से पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र बनारस है वहां से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चुनाव लड़ने की चर्चा हो रही है क्या यह सही बात है? इस सवाल का जवाब देते हुए सुनील कुमार ने कहा कि इस पर कोई रोक है क्या? कोई कही से चुनाव लड़े रोक कही नहीं है। समय आने पर इंडिया गठबंधन और नीतीश कुमार सही निर्णय लेंगे।

कवि जाँच घर
Mob.: 7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
डॉ.संजय कुमार
MBBS (DAR)
MD (Microbiology)

मुखिया की दबंगई से दूसरे मुखिया दहशत में

तुरकौलिया। एक मुखिया की दबंगई से लोग परेशान है आरोप है कि इस मुखिया ने दुसरे मुखिया से अब 15 लाख की रंगदारी मांगी है। रंगदारी नही देने पर मुखिया ने हवाई फायरिंग करते हुए जान मारने का धमकी भी दिया है। साथ ही धमकी देते हुए यह भी कहा है कि बम से घर सहित परिवार वाले को उड़ा देगें। हाथ में लिए पिस्टल का तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है।

घटना को लेकर शंकरसरैया उत्तरी पंचायत के मुखिया अशरफ आलम ने थाना पर आवेदन देकर शंकरसरैया दक्षिणी पंचायत के मुखिया एजाज अहमद, शेख नुरैन, अली अख्तर, ओजैर अंसारी सहित 7 लोगों पर रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया है। जहां उन्होंने बताया है कि मंगलवार की रात्रि में खाना खाकर वह मुंशी इनार मार्केट और अपने निवास के पास टहल रहे थे। इसी दौरान मुखिया एजाज अहमद अपने फरचुनर गाड़ी से 8-10 लोग उतरे जो अपने हाथ में हथियार लिए हुए थे।

सभी गाली देते हुए ललकारने लगे। साथ ही बोले कि तुम्हारा हत्या करके ही वापस जाएंगे। यह बात कहते हुए हवाई फायरिंग करते हुए कनपटी पर पिस्टल सटाकर बोले कि तुम्हारा भेजा उड़ा देगें। तुमसे 15 लाख रुपए रंगदारी मांगें थे लेकिन तुम नही दिए हो। अभी के अभी रुपए दो वरना तुम्हारा हत्या कर देंगे। तुम बहुत रुपया कमा रहे हो। अगर जान बचाना चाहते हो तो 15 लाख देना पड़ेगा वरना बम मारकर तुम्हारे मार्केट और तुम्हारे परिवार को मिट्टी में मिला देगें।

हमारा पहुंच और संगत बड़े बड़े अपराधियों से है। मैं चाहुंगा तो तुम्हारे परिवार को मिट्टी में मिला सकते हैं। जब हल्ला सुनकर आसपास के लोग आए तो सभी गाड़ी में बैठकर भाग गए।

प्राथमिकी में मुखिया ने यह भी बताया उसे जान का खतरा है। रास्ते में घेर कर उक्त लोग कभी भी अनहोनी कर सकते हैं। थानाध्यक्ष अनील कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

आरटीआई कार्यकर्ता को अपराधियो ने चाकुओं से गोद कर की निर्मम हत्या

बेतिया। मनुआपुल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक आरटीआई कार्यकर्ता को अपराधियो ने चाकुओं से गोद की निर्मम हत्या कर दी ।घटना मनुआपुल थाना क्षेत्र में जोकहा गांव की बताई जाती है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस घटना स्थल का मुआयना करने के बाद जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार हारून सीओ,बीडीओ व पुलिस विभाग के खिलाफ सूचना का अधिकार का आवेदन देते रहता था ।वही भू माफिया के खिलाफ भी वह सूचना के अधिकार के माध्यम से संघर्ष करते रहे ।घर के निहायत ही गरीब व्यक्ति थे।

दो लड़कों में एक कि मौत पहले ही हो चुकी है ।महमद हारून समाज सुधार जागरूकता सेनानी नामक संस्था चलाते थे। जानकारी के अनुसार उक्त संस्था मे गरीबों के कल्याण के कार्य के साथ पैसा जमा करने का भी काम किया जाता था ।पूर्व में भी उनके साथ गावँ के ही कुछ लोगो द्वारा मारपीट की घटना की थी ।जिसमे उनका पैर टूट गया था। वही इस मामले मे पुलिस कुछ भी बताने से इंकार कर रही है ।

जिले में फाइलेरिया रोग की पहचान को पुन: होगा नाइट ब्लड सर्वे

मोतिहारी। जिले में फाइलेरिया के प्रभाव को खत्म करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम गंभीरता पूर्वक सक्रिय है। जिले में पूर्व में 5 प्रखंडों में नाइट ब्लड सर्वे चलाया गया था। जिसमें एक प्रखंड के दो हाई रिस्क साइट एवं एक रैंडम साइट से कुल 900 व 5 प्रखंड से 4500 लोगों के रक्त की रात्रि में जाँच की गई। वहीं विभागीय निर्देश के अनुसार अब बाकी बचे हुए 23 प्रखंडों में लोगों की रात्रि में रक्त जाँच कर छुपे हुए फाइलेरिया परजीवी की खोज की जाएगी। जिले के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शरतचंद्र शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम आशा व जनप्रतिनिधियों के सहयोग से लोगों को जागरूक करते हुए नाइट ब्लड सर्वे करेगी। दिसम्बर का अंतिम सप्ताह ब्लड सर्वे की संभावित तिथि है। इसको लेकर जोर शोर से अधिकारी भी लग गए हैं। राज्य व जिलास्तर पर लैब टेक्निशियनों का प्रशिक्षण भी करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि नाइट ब्लड सर्वे के बाद 10 फ़रवरी से सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। पिरामल के जिला प्रतिनिधि मुकेश कुमार ने बताया की आशा व स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा लगातार जनसम्पर्क अभियान चलाकर जिले के अरेराज, पहाड़पुर, तेतरिया, मधुबन, चकिया, सुगौली सहित कई प्रखंडों में जनप्रतिनिधि से मुलाकात की जा रही व अभियान के बारे में जानकारी दी जा रही है। इस अभियान में सहयोग के लिए उन्हें प्रेरित किया जा रहा है ताकि नाइट ब्लड सर्वे के साथ ही सर्वजन दवा सेवन अभियान का सफलतापूर्वक संचालन हो सके। वीडीसीओ सत्यनारायण उरांव एवं धर्मेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि नाइट ब्लड सर्वे के बाद पॉजिटिव मरीजों को दवा का कोर्स कराया जाएगा।

फाइनेंस कर्मी से लूटकांड मामले में गिरफ्तार अपराधी भेजे गये जेल

बीएनएम@केसरिया

एल एण्ड टी फाइनेंस कंपनी के कर्मी से लूटकांड मामले में गिरफ्तार अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस उपाधीक्षक सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बुधवार को प्रेसवार्ता में इस घटना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सागर चुरामन से बेलवा माधव जाने वाली सड़क में पोखरा के पास मंगलवार को एल एण्ड टी फाइनेंस कर्मी से हथियार के बल पर आठ हजार नकद व एक एब्ल्यूट मशीन लूट ली गई। जानकारी मिली कि घटना में संलिप्त अपराधियों को ग्रामीणों ने हथियार के साथ पकड़ा है। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी टीम का गठन करते हुए घटनास्थल पर भेजा गया। जहाँ से दो अपराधी भोपतपुर अहीरौलिया के राजकुमार राम व मुन्ना कुमार राम को हिरासत में लिया गया। इन अपराधियों के पास से एक बाइक, एक देशी कट्टा व एक कारतूस बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में शामिल एक अपराधी अहीरौलिया का दिलखुश कुमार भागने में सफल रहा। जिसकी गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी टीम में पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, एसआई अनिता कुमार सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

शुरुआत भाकपा माले के वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा–

लोकतंत्र बचाओ आंदोलन को नई गति

मोतिहारी। भाकपा माले जिला कार्यालय का उद्घाटन लक्ष्मण चौक स्थित जौवाद कॉलोनी में संपन्न हुआ ।कार्यालय का विधिवत उद्घाटन भाकपा माले केंद्रीय कमिटी सदस्य सह सिकटा विधायक कॉमरेड वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने किया।

इस जिले में पार्टी का कार्यालय जिला मुख्यालय में खुलने से इस आंदोलन को नई गति मिलेगी। मजदूर, किसान, दलित और गरीब इस आंदोलन की चालक शक्ति हैं ।आज केंद्र की मोदी सरकार की कॉरपोरेट परस्त नीतियों का सबसे ज्यादा खामियाजा यहीं लोग भुगत रहे हैं। भाजपा राम मंदिर के नाम पर देश में उन्माद पैदा कर रही है। लोगों को धर्म के नाम पर दंगे में झोंकना चाहती है। इससे देश बर्बाद होगा ।देश को बरबादी से बचाने के लिए भाकपा माले संगठन को गांव गांव में मजबूत करेगी ।पार्टी ब्रांचों का जाल बिछाया जायेगा।

बिहार में जो जातीय गणना और सामाजिक आर्थिक सर्वे की जो रिपोर्ट आई है वह आंख खोलने वाली है। आजादी के अमृतकाल में भी बिहार के दो तिहाई यानी 64प्रतिशत लोग गरीबी में जी रहे है। रोजगार के लिए सबसे ज्यादा पलायन बिहार से ही है। 2005 के बाद से यहां भाजपा गठबंधन की ही सरकार रही है और 10वर्षों से भाजपा की सरकार दिल्ली में चल रही है। भाकपा माले इस लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए 18दिसंबर को पटना मिलर स्कूल मैदान में संकल्प सभा का आयोजन किया है। वहां से आगे की लड़ाई का शंखनाद होगा ।उसमे इस जिले से भी ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने की अपील की।

इस मौके पर पार्टी नेता प्रभुदेव यादव, विष्णुदेव प्रसाद यादव, भैरव दयाल सिंह, रूपलाल शर्मा, जीतलाल सहनी, शंभुलाल यादव, विशेश्वर कुशवाहा, राघव साह, शबनम खातून, अशोक कुशवाहा, अच्युतानंद पटेल, भाग्यनारायण चौधरी, राजकुमार शर्मा, मोहम्मद इसराफिल, भोला राम, भोला साह, दिनेश कुशवाहा, रंजन कुमार, अतिउल्लाह मियां, उपेंद्र सहनी,बराकेश मुखिया आदि नेता मौजूद थे।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय द्वारा स्थानीय केसीटीसी कॉलेज का निरीक्षण संपन्न

मोतिहारी। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त एसएनएस कॉलेज, मोतिहारी के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार द्वारा आज स्थानीय केसीटीसी कॉलेज का निरीक्षण कर विश्वविद्यालय को रिपोर्ट भेजा गया। इस निरीक्षण कार्य में प्रो. (डॉ.) स्वयंभू शलभ का विशेष सहयोग रहा। निरीक्षण टीम ने छात्र एवं शिक्षकों की उपस्थिति पंजी, आयव्यय का लेखा जोखा एवं कॉलेज भवन का निरीक्षण किया। डॉ. कुमार ने बताया कि कॉलेज में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने, शिक्षकों की सेवानिवृत्ति के कारण रिक्त पड़े फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और उर्दू के शिक्षकों की नियुक्ति, रसीद काउंटर पर कंप्यूटर की व्यवस्था, कार्यालय भवन के रेनोवेशन और कॉलेज के मूल भवन के पुनर्निर्माण की आवश्यकता है। उन्होंने कॉलेज के भौतिक पूर्वाधार को विकसित किये जाने के साथ साथ पठन पाठन के वातावरण को बेहतर बनाने पर जोर देते हुए इन सभी विन्दुओं को विश्वविद्यालय के संज्ञान में लाने की बात कही। इस मौके पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) जयनारायण प्रसाद, डॉ. रामाशंकर प्रसाद, डॉ. जिच्छु पासवान, प्रो. सैफुल्लाह, प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव, अकाउंटेंट कुमार अमित आदि उपस्थित थे।

बेतिया पुलिस ज़िला में 112 मोबाइल टीम पर हमला, दो गिरफ्तार

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिला स्थित शिकारपुर थाना क्षेत्र के पीपरा गांव में 112 मोबाइल टीम पर हमला करने की घटना घटी है।घटना मंगलवार की रात्रि की है।घटना में मोबाइल टीम का टैब तोड़ दिया गया है।साथ ही पुलिस कर्मियों के साथ दुर्व्यहार भी किया गया है। घटना के बाद 112 टीम की सूचना पर पहुंची शिकारपुर थाने की पुलिस ने दो हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार लोगों में पीपरा गांव निवासी हरिराज राम व अजय राम शामिल हैं।

घटना के संबंध में पीपरा गांव निवासी बूनीलाल राम ने बताया कि वह शिकारपुर थाने में चौकीदार के पद पर कार्यरत हैं। मंगलवार की रात्रि में उसका पुत्र साहेब राम घर आ रहा था। पुरानी रंजिश के कारण हरिराज राम, अजय राम के साथ 20-25 की संख्या में लोगो ने उसे घेर लिया और मारपीट करने लगे। वह किसी तरह भागकर अपने घर पहुंचा। बाद में सभी हमलावर लाठी डंडे से लैस होकर उसके घर पहुंचे और मारपीट करने लगे। बीच बचाव पर उसे भी मारा पीटा गया। मामले में 112 टीम के एएसआई भुपेंद्र कुमार ने शिकारपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप है कि सूचना पर जब उसकी टीम घटनास्थल पर पहुंची तो चौकीदार व उसके पुत्र को आरोपित पीट रहे थे। पुलिस गाड़ी को देखते ही सभी हमालवर एक जूट होकर पुलिस पर ही हमला कर दिए। हमलावरों में शामिल दोनों गिरफ्तार आरोपितों ने पुलिस के साथ दुर्व्यवहार करते हुए टैब पर लाठी से मारकर तोड़ दिया।

एलएनडी कॉलेज का प्रो.प्रेमप्रकाश ने किया निरीक्षण

मोतिहारी। शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में बुधवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार खेमचंद ताराचंद महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो.प्रेमप्रकाश द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, कार्यालय कक्ष, जेन्स ट्वायलेट, गर्ल्स ट्वायलेट, कॉमन रूम, सभी वर्ग कक्ष व प्रयोगशाला, पुस्तकालय, लैंग्वेज लैब, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल, बीबीए, बीसीए, बीएड, सभागार, जिम, क्रीड़ा मैदान इत्यादि का सूक्ष्मता पूर्वक निरीक्षण किया।

उन्होंने यहां के सभी शिक्षकों को अपने काम के प्रति संजीदा देखकर प्रसन्नता व्यक्त किया। उन्होंने भावी नैक मूल्यांकन के द्वितीय चक्र के लिए सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों को जी जान से जुड़ जाने की सलाह दी।

उन्होंने यहां प्राचार्य प्रो.अरूण कुमार व राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.कुमार राकेश रंजन के साथ भौतिकी, रसायन शास्त्र,

वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान, मनोविज्ञान एवं भूगोल की कार्यशील प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने पुस्तकालय की भंडार पंजी एवं वितरण पंजी का भी अवलोकन करते हुए इससे अधिकतम विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का सुझाव दिया। उन्होंने यहां लेखा शाखा के सभी शीर्षों व उपशीर्षों में रोकड़ पंजी के अद्यतन होने पर इसकी निरंतरता कायम रखने हेतु लेखापाल कामेश भूषण को निर्देशित किया। प्राचार्य प्रो.अरूण कुमार ने निरीक्षी पदाधिकारी प्रो.प्रेमप्रकाश के समक्ष इस महाविद्यालय के गणित, मनोविज्ञान एवं अंग्रेजी विभाग में शिक्षकों की कमी पर ध्यान आकर्षित किया। उक्त मौके पर मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार, डॉ.सुबोध कुमार, प्रो.राजेश कुमार सिन्हा, प्रो.दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ. पिनाकी लाहा, डॉ.सर्वेश दूबे, प्रो.राकेश रंजन कुमार, प्रो.अरविंद कुमार, डॉ.जौवाद हुसैन, डॉ. संतोष विश्नोई, डॉ. रवि रंजन सिंह व डॉ.नीरज कुमार, प्रधान सहायक राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण, अखिलेश कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

शिलान्यास तो हुआ, लेकिन बगैर कुछ बोले निकल गए नीतीश

एम के प्रियदर्शी

केसरिया/पूर्वी चंपारण। सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को हवाई मार्ग से केसरिया पहुंचे। विश्व प्रसिद्ध केसरिया बौद्ध स्तूप के समीप सीएम श्री कुमार ने 6.90 करोड़ की लागत से निर्मित कैफेटेरिया भवन का उद्घाटन और 19.77 करोड़ की लागत से पर्यटक सुविधा को लेकर बनने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया। सीएम नीतीश कुमार ने विश्व प्रसिद्ध केसरिया बौद्ध स्तूप का निरीक्षण भी किया। उन्होंने चारों तरफ से घूम कर स्तूप को देखा और उसके बाद पुनः हेलीकॉप्टर से पटना के लिए प्रस्थान कर गये। मुख्यमंत्री के साथ राज्य सरकार के वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी भी आए थे।

न किसी से मिले और न कुछ बोले सीएम

मुख्यमंत्री की आगवानी के लिए कार्यक्रम स्थल पर जदयू के नेताओं का जमावड़ा लगा था। नेतागण फुल-माला और गुलदस्ता लेकर खड़े रहे लेकिन सीएम हाथ जोड़े आगे बढ़ गये। कैफेटेरिया के निरीक्षण के दौरान जदयू जिलाध्यक्ष मंजू देवी को सुरक्षा कर्मियों ने अंदर जाने से रोक दिया जिसे लेकर मुख्य द्वार पर खूब बकझक हुई। योजनाओं के शिलान्यास व उद्घाटन के दौरान स्थानीय विधायक शालिनी मिश्रा सीएम का स्वागत शाल ओढ़ाकर करना चाहती थीं लेकिन उन्हें मौका नहीं मिल सका। केसरिया के पूर्व विधायक मो.ओबैदुल्लाह ने मुख्यमंत्री का स्वागत माला देकर किया तो सीएम ने वही माला पूर्व विधायक को पहना दिया।

मीडिया में नहीं दिया कोई बयान

केसरिया में कैफेटेरिया के उद्घाटन एवं विकास योजनाओं के शिलान्यास के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुप्पी साधे रहे। सीएम का चेहरा उतरा-उतरा सा लग रहा था। मुख्यमंत्री ने एक तरह से मौन धारण कर रखा था। उन्होंने किसी से कुछ खास बातचीत नहीं की। कार्यक्रम स्थल पर सिर्फ हाथ जोड़कर सीएम बैठे रहे। बोधगया से आए बौद्ध भिक्षुओं को प्रणाम किया। मुख्यमंत्री का अपने ही दल के नेताओं से एक-एक करके नहीं मिलना और मीडिया से मुखातिब नहीं होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

सीएम ने जब कोई बयान नहीं दिया तो मौके पर मौजूद मीडिया कर्मियों को सिर्फ निराशा ही हाथ लगी। सीएम के आगमन से केसरिया के विकास की आस जगी थी लेकिन उनकी चुप्पी के कारण लोग नाउम्मीद हो गए हैं।

एक हजार पुलिसकर्मियों ने संभाल रखी थी सुरक्षा व्यवस्था की कमान

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर ऐसी सुरक्षा थी कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता था। बौद्ध स्तूप, कैफेटेरिया, हेलीपैड और एस एच 74 पर भारी संख्या में दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को तैनात किया गया था। करीब ढाई सौ पुलिस पदाधिकारी एवं सात सौ पुलिस जवान तैनात किए गये थे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर करीब दो घंटे तक एस एच 74 पर आवागमन रोक दिया गया था। जिले के डीएम सौरभ जोरवाल एवं एसपी कांतेश कुमार मिश्रा लगातार सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था पर नजर बनाए हुए थे। चकिया के डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह एवं केसरिया के थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह भी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान काफी मुस्तैद दिखे।

प्रभारी मंत्री और विधि मंत्री सहित कई नेता रहे मौजूद

केसरिया में बौद्ध स्तूप के समीप कैफेटेरिया के उद्घाटन के दौरान सूबे मद्य निषेध मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री सुनील कुमार, विधि मंत्री डॉ शमीम अहमद, पूर्व मंत्री श्याम बिहारी प्रसाद, स्थानीय विधायक शालिनी मिश्रा, कल्याणपुर के विधायक मनोज कुमार यादव, केसरिया के पूर्व विधायक मो.ओबैदुल्लाह, कल्याणपुर की पूर्व विधायक रजिया खातून, गोविंदगंज की पूर्व विधायक मीना द्विवेदी, जिला सहकारिता बैंक के अध्यक्ष सुदर्शन प्रसाद सिंह, जदयू जिलाध्यक्ष मंजू देवी, महिला जिला अध्यक्ष शोभा सिंह, प्रो.दिनेश चंद्र प्रसाद, वसील अहमद खां, बसंत कुशवाहा, राजद नेता हातिम खां, कांग्रेस नेता प्रफुल्ल कुंवर, रिपुरजंन सिंह, संजय किशोर तिवारी एवं रविशंकर दूबे सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी: कांतेश मिश्र

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग तत्वाधान में बुधवार को साइबर क्राइम विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता पूर्वी चंपारण जिले के एसपी कांतेश मिश्र थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने किया। संचालन डॉ. परमात्मा कुमार और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुनील दीपक घोडके ने प्रस्तुत किया। बतौर मुख्य वक्ता एसपी कांतेश मिश्र ने साइबर क्राइम के दुष्परिणामों के बारे में बताते हुए कहा कि जागरूकता ही इसका बचाव है।

उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम के सभी आयामों को समझ कर बहुत सावधानी पूर्वक इंटरनेट और उससे जुड़े कार्य को करने की

आवश्यकता है। उन्होने साइबर अपराध के व्यवहारिक पहलुओं पर चर्चा करते हुए इस क्राइम से जुड़े प्रकारों की विस्तृत रूप व्याख्या किया। बैंक फ्रॉड, एटीएम क्लोनिंग के बारे में भी बताया।उन्होने मैट्रिमोनियल साइट पर वीडियो व तस्वीर साझा ना करने की सलाह दी। उन्होंने सुझाव दिया की साइबर ठगो सदैव सचेत और उनसे एक कदम आगे रहने की जरूरत है। उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाने पर जोर देते हुए कहा कि लोगों को अनजान व्यक्तियों से दूरी बनाने की जरूरत है।

BORDER NEWSMIRROR

Thursday 14 December 2023

Editorial

ललित निबंध देते हैं नई रंगत

साहित्य में ललित निबंध आखिर क्या होते हैं? कैसा होता है इनका रचनाकर्म? आदि सवालों का जवाब खोजने की कोशिश पिछले दिनों दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय गया में की गई। इस संबंध में प्रख्यात भोजपुरी चित्रकार वंदना श्रीवास्तव और जाने-माने साहित्यकार व नव नालंदा महाविहार सम विश्वविद्यालय नालंदा के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर रवींद्र नाथ श्रीवास्तव 'परिचय दास' के व्याख्यान महत्वपूर्ण रहे। इस व्याख्यानमाला का आयोजन हिंदी विभाग ने किया। इस अवसर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रो. परिचय दास को केंद्रीय विश्वविद्यालय गया की हिंदी और भारतीय भाषाओं की समिति का सदस्य नामित करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। अपने व्याख्यान में वंदना श्रीवास्तव ने कहा कि भोजपुरी कला की निर्मिति ज्यामिति के आधार पर होती है। अनगढ़ से सुगढ़ होती प्रक्रिया कला को नया आयाम देती है। भोजपुरी कला अब बिहार, उत्तर प्रदेश व अन्य स्थलों पर नये रंग बोध के रूप में आ रही है। कोहबर की भित्ति कला, चौका पूरने की कला आदि रूपों से होती हुई आज यह एक ओर लोक को छूती है, दूसरी ओर समकालीनता को। मिथिला कला से अलग इसने नयी जमीन पर नयी रंगत प्राप्त कर ली है, जिसमें रोजगार की भारी संभावनाएं हैं। सुश्री वंदना ने ललित निबंध के गठन में कलात्मक विंबों की जरूरत पर बल दिया। ललित निबंधकार प्रो. रवींद्र नाथ श्रीवास्तव 'परिचय दास' ने कहा कि 'ललित निबंध' निबंध का सौष्ठव रूप है तथा गद्य की रमणीयता। ललित निबंध एक नयी किस्म की भाषा रचता है। गद्य के श्रेष्ठतम रूपों में एक है- ललित निबंध। उन्होंने काका कालेलकर, दुर्गा भागवत, नवनीता देवसेन, श्रीकांत जोशी , हजारी प्रसाद द्विवेदी , कुबेर नाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, विवेकी राय आदि ललित निबंधकारों के शिल्प प्रकृति की परिचय दास ने व्याख्या भी की। अपने ललित निबंधों के बारे में परिचय दास ने कहा- ' मेरे ललित निबंध परम्परा के साथ समकाल के प्रश्नों और बिम्बों को भी स्थापन और गति देते हैं।'

मोदी मैजिक में निरर्थक विपक्षी मुद्दे

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

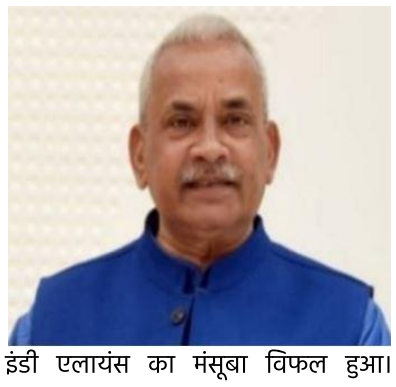

इंडी एलायंस का मंसूबा विफल हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कमजोर समझने की उनकी गलतफहमी दूर हुई। राजस्थान और छत्तीसगढ़ कांग्रेस के हाथ से निकल गए। मध्य प्रदेश में कांग्रेस पहले से ज्यादा कमजोर हो गई। जातिगत जनगणना का राग निष्प्रभावी साबित हुआ। विपक्ष ने इसे ट्रम्प कार्ड के रूप में प्रयुक्त किया था। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव के लिए विपक्ष के पास अब कोई कारगर मुद्दा नहीं बचा है। इंडी एलायंस सेमी फाइनल में ही निरर्थक हो गया। विपक्षी गठबंधन ने बहुत उम्मीद के साथ अपना नाम बदला था। वस्तुतः यूपीए की बदनामी के चलते उन्हें ऐसा करना पड़ा। गहन विचार-विमर्श के बाद उन्होंने ऐसा नाम धरा जिसे शॉर्ट फॉर्म में इंडिया कहा जा सकता था। इसके बाद तो गठबंधन के नेता इंडिया शब्द का ऐसे प्रयोग करने लगे जैसे वह पूरे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उस समय भी अनेक लोगों ने इंडिया शब्द के चुनावी राजनीति की दृष्टि से प्रयोग को अनुचित बताया था। कुछ ही महीने में विपक्षी गठबंधन की वास्तविकता सामने आ गई। इन्होंने इंडिया शब्द का अनुचित प्रयोग किया था। इनका बिखराव तो पांच राज्यों के चुनाव से पहले ही शुरू हो गया था। अब इनको जनता ने भी आईना दिया है। जातिवाद और परिवारवाद को जनता ने नकार दिया है। जोड़-तोड़ कर इन्होंने अपना नामकरण किया था– इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस। जबकि जनमानस का सभ्यतागत संघर्ष भारत और इंडिया के आसपास केंद्रित है। अंग्रेजों ने हमारे देश का नाम इंडिया रखा। इस नामकरण के चलते विपक्षी दलों की जवाबदेही बढ़ गई थी। अब उन्हें यह बताना चाहिए था कि डेवलपमेंट के मुद्दे पर उनकी कितनी विश्वसनीयता है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गंठबंधन संप्रग को दस वर्ष सरकार चलाने का अवसर मिला। पश्चिम बंगाल में डेढ़ दशक से तृणमूल की सरकार है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को भी अवसर मिला है। बताया गया कि गठबंधन बैठक में शामिल हुए दलों की 11 प्रदेशों में सरकारें हैं। लेकिन बिडंबना यह कि किसी ने भी अपनी सरकार के विकास कार्यों पर एक शब्द भी नहीं कहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन को घमंडिया नाम दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर सपनों को पूरा करना है, संकल्पों को सिद्ध करना है, तो भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण के खिलाफ पूरे सामर्थ्य के साथ लड़ना होगा। पहली बुराई भ्रष्टाचार है जो हमारे देश की सभी समस्याओं की जड़ में है। भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए हर क्षेत्र और हर सेक्टर में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई समय की मांग है। दूसरी बुराई वंशवादी राजनीति है। वंशवादी व्यवस्था ने देश को जकड़ लिया था और देश के लोगों के अधिकार छीन लिए थे। तीसरी बुराई तुष्टिकरण है। तुष्टिकरण ने देश की मूल सोच,समरस राष्ट्रीय चरित्र पर भी दाग लगाया है। इन लोगों ने सब कुछ नष्ट कर दिया और इसलिए इन तीन बुराइयों के विरुद्ध अपनी पूरी शक्ति से लड़ना होगा। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण- ये चुनौतियां पनपीं जिन्होंने हमारे देश के लोगों की आकांक्षाओं को दबा दिया। दूसरी तरफ विपक्षी नेताओं ने जातिगत जनगणना को सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था। इसके अलावा वह लोकतंत्र और संविधान पर हमले के आरोप लगा रहे थे। उनका कहना था कि भारत की संस्थाओं पर हमला हो रहा है। हमारी लड़ाई भाजपा की विचारधारा के खिलाफ है। ये लड़ाई इंडिया बनाम बीजेपी है। ये इंडिया बनाम पीएम मोदी की लड़ाई है। विपक्षी नेता कथित रूप से देश को बचाने के लिए बेकरार थे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's **Opinion**

सैम बहादुर के बहाने याद जेनरल मानेकशॉ की

आर.के. सिन्हा

सैम हॉरमुसजी फेमजी जमशेदजी मानेकशॉ को देश 1971 में पाकिस्तान के साथ हुई जंग में भारतीय थल सेना का कुशल नेतृत्व करने वाले एक सेनाध्यक्ष के रूप में कृतज्ञ भाव से याद करता है। वे फील्ड मार्शल का पद हासिल करने वाले पहले भारतीय सैन्य अधिकारी थे। अब उनके जीवन पर आधारित फिल्म सैम बहादुर के रीलिज होने के साथ ही यह मौका है कि हमारे सारे देशवासी खासकर के युवा पीढ़ी उनकी शख्सियत को फिर से जाने-समझे। उन्हें सैम मानेकशॉ और सैम बहादुर भी कहा जाता था। वे 1969 में भारत के सेनाध्यक्ष बने थे। इससे पहले उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के साथ-साथ भारत की चीन और पाकिस्तान के साथ हुई तमाम जंगों में अहम भूमिका निभाई थी। सैम मानेकशॉ समर नीति के गहरे जानकार थे। पर उनकी जुबान भी फिसलती रहती थी,जिसका उन्हें कई बार बहुत नुकसान भी उठाना पड़ा था। वे 1971 की पाकिस्तान के साथ हुई जंग में विजय का क्रेडिट जाने-अनजाने खुद लेने की फिराक में लगे रहते थे। उन्होंने एक बार तो एक इंटरव्यू में यहां तक दावा कर दिया था कि अगर वे पाकिस्तान सेना के प्रमुख होते तो 1971 की जंग में पाकिस्तान विजयी हो गया होता। उनके इस दावे पर तब भी बहुत बवाल कटा था। दरअसल जंग सेना के साथ-साथ सारा देश ही लड़ता है। इसलिए विजय भी सम्पूर्ण देश की ही होती है। हां, रणभूमि के वीरों का अपना विशेष महत्व तो होती ही है। 1971 की जंग के नायकों की बात होगी तो अनेकों नायक सामने आएंगे। इस बाबत जेनरल जगजीत सिंह अरोरा और जेनरल जैकब से लेकर सेकिंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल को भी याद भी किया जाएगा। उस जंग में भारत की विजय पर बात तब तक अधूरी रहेगी जब तक अरुण खेत्रपाल के पराक्रम की चर्चा ना हो जाए। उनके पिता भी उस जंग में लड़ रहे थे। अरुण खेत्रपाल ने पंजाब-जम्मू सेक्टर के शकरगढ़ में शत्रु के दस टैंक नष्ट किए थे। वे तब मात्र 21 साल के थे। इतनी कम आयु में अब तक किसी को परमवीर चक्र नहीं मिला है। नोएडा का अरुण विहार सेकिंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के नाम पर ही है। उन्होंने इंडियन मिलिट्री अकाडमी से जून, 1971 में ही ट्रेनिंग खत्म की। उसी साल दिसंबर में पाकिस्तान के साथ जंग शुरु हो गई। अरुण खेत्रपाल की स्क्वेड्रन 17 पुणे हार्स 16 दिसम्बर 1971 को शकरगढ़ में थी। वे टैंक पर सवार थे। टैंकों से दोनों पक्ष गोलाबारी कर रहे थे। वे शत्रु के टैंकों को बर्बाद करते जा रहे थे। इसी क्रम में उनके टैक में भी आग लग गई। वे शहीद हो गए। लेकिन उनकी टुकड़ी उनके पराक्रम को देखकर इतनी प्रेरित हुई कि वह दुश्मन की सेना पर टूट पड़ी। युद्ध में भारत को सफलता मिली। अरुण को शकरगढ़ का टाइगर कहा जाता है। 1971 की जंग से जुड़ी एक यादगार फोटो को देखकर भारत की कई पीढ़ियां बड़ी हुईं हैं। उस फोटो को देखकर हरेक हिन्दुस्तानी का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। इसमें भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल जे.एस. अरोड़ा के साथ पाकिस्तानी सेना के लेफ़्टिनेंट जनरल अमीर अब्दुल्ला ख़ाँ नियाज़ी बैठे हैं। नियाजी अपनी सेना के आत्मसमपर्ण करने संबंधी एक पेपर पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। उस चित्र में भारतीय सेना के कुछ आला अफसर प्रसन्न मुद्रा में खड़े हैं। उनमें जनरल जे.एफ.आर जैकब भी हैं। युद्ध संवाददाता के रूप में मैंने जेनरल जैकब के साथ काम किया है और देखा है कि वे किस जांबाज किस्म के सेना नायक थे। 1971 के युद्ध में जैकब की रणनीति के तहत भारतीय सेना को अभूतपूर्व कामयाबी मिली थी। भारत में जन्मे वे यहूदी थे और समर नीति बनाने में महारत रखते थे। पाकिस्तान सेना के रणभूमि में परास्त करने के बाद जनरल जैकब ने नियाज़ी से अपनी फौज को आत्मसमर्पण का आदेश देने को कहा था। जैकब के युद्ध कौशल का ही परिणाम था कि नब्बे हजार से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों ने अपने हथियारों समेत भारत की सेना के समक्ष घुटने टेके। आज के दिन जेनरल जैकब राजधानी के हुमायूं रोड के यहूदी कब्रिस्तान में चिर निद्रा में हैं। अगर बात जनरल अरोड़ा की करें तो उन्होंने 1971 की जंग में भारतीय सेना को छोटी-छोटी टुकड़ियों में बांटकर पूर्वी पाकिस्तान में घुसने के आदेश दिये थे।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

इन चीजों का इस्तेमाल अपनी डाइट से, आज ही करें बाहर, दिखेंगे लाभ

खाना न सिर्फ हमारे शरीर के लिए जरूरी है बल्कि यह हमारे पूर्ण विकास में भी एक अहम भूमिका निभाता है।

अक्सर ऐसा कहा जाता है कि घर की बनी खाने की चीजें बाहर के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित और अच्छी रहती है। यही वजह है कि ज्यादातर लोग घर का बना साफ और स्वस्थ खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं आपके किचन में मौजूद कुछ चीजें, जिनका आप खाने में भी इस्तेमाल करते हैं, आपके लिए जहर का काम करती हैं। खाने में उपयोग की जाने वाली ये चीजें आपके लिए किसी स्लो प्वाइजन से कम नहीं हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि आप इनके बारे में जानकर इसका कम से कम इस्तेमाल करना शुरू कर दें।

डॉक्टर्स की मानें तो मैदा और उससे बनी चीजों के अधिक सेवन से मोटापा, हृदय रोग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही मैदा पचने में भी काफी मुश्किल होता है, जिसकी वजह से यह धीरे-धीरे फैट्स बढ़ा देता है।

चीनी

चाय-कॉफी और लगभग हर मीठे व्यंजन में इस्तेमाल की जाने वाली चीनी यानी शक्कर आपकी सेहत के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदेय है।

चीनी के अधिक सेवन से आपको ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, वजन बढ़ना और फैटी लीवर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इतना नहीं शक्कर ज्यादा खाने से हृदय रोग का खतरा भी बढ़ जाता है।

मैदा

मैदा हमेशा से ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक रहा है। हालांकि, मैदा आटे से ही बनता है, लेकिन मैदा बनाने की प्रक्रिया के दौरान इसमें मौजूद कई सारे फाइबर्स और विटामिन्स अलग हो जाते हैं, जो इसे हानिकारक बना देता है।

डॉक्टर्स की मानें तो मैदा और उससे बनी चीजों के अधिक सेवन से मोटापा, हृदय रोग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही मैदा पचने में भी काफी मुश्किल होता है, जिसकी वजह से यह धीरे-धीरे फैट्स बढ़ा देता है।

नमक

अधिक मात्रा में नमक का सेवन भी सेहत के लिए काफी हानिकारक माना गया है। खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नमक की अधिकता कई गंभीर समस्याओं की वजह बन सकती है।

ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर,कोलेस्ट्रॉल, हार्ट प्रॉब्लम, स्ट्रोक, मोटापा और लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा नमक खाने से मौत का खतरा 28 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट प्रॉब्लम, स्ट्रोक, मोटापा और लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा नमक खाने से मौत का खतरा 28 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

फ्रोजन फूड

अगर आप भी खाने में फ्रोजन फूड का काफी इस्तेमाल करते हैं, तो अब सर्तक होने का समय आ गया है। दरअसल, फ्रोजन फूड सेहत के लिए काफी हानिकारक होता है। दरअसल, ऐसे खाद्य पदार्थों में कई सारे आर्टिफिशियल कलर्स और प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं। इसकी वजह से हार्ट अटैक और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की संभावनाएं बनी रहती हैं।

वनस्पति घी

वनस्पति घी हमेशा से ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है। इसमें ट्रांस फैट होता है, जिसके लगातार इस्तेमाल से मोटापा बढ़ जाता है। इतना ही नहीं वनस्पति घी का ज्यादा उपयोग करने से दिल की बीमारियां और ब्रेन स्टोक्स का खतरा भी बढ़ जाता है।

बच्चे की ये आदतें बना सकती हैं उसे बीमार, ठीक होते ही फिर हो सकती है बीमारी

हमारी आदतें ही हमारी बीमारी का कारण हो सकती हैं और बच्चों में तो यह बात और भी ज्यादा सही बैठती है क्योंकि बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर होती है और जब वो अनहेल्दी आदतों में लिप्त रहते हैं तो बीमारियों की चपेट में आने का खतरा बढ़ जाता है। यहां हम आपको कुछ रोजमर्रा की ऐसी हेल्दी आदतों के बारे में बता रहे हैं जो बच्चे की इम्यूनिटी को मजबूत करने का काम करेंगी और बीमारी से भी बचा जा सकेगा। अगर आपका बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है या उसे सर्दी-खांसी जैसी आम बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं या उसकी इम्यूनिटी कमजोर है, तो आपको आदतों पर गौर करना चाहिए।

हाथों की सफाई है जरूरी

यह सुनने में जितना मामूली लगता है, संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए हाथ धोना उतना ही ज्यादा प्रभावी है। हाथ धोना उन कीटाणुओं और विषाणुओं को खत्म करने का एक शानदार तरीका है जो बच्चे खेलते समय, खिलौनों को शेयर करने, वस्तुओं को छूने आदि के दौरान ले सकते हैं। खासकर यदि आपके पड़ोस, स्कूलों या यहां तक कि आपके घर में कोई वायरस फैल रहा है, तो सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा नियमित रूप से अपने हाथ अच्छी तरह धोए।

चेहरे को छूना

कई वायरस हवा के माध्यम से फैलते हैं, जो बीमार व्यक्ति द्वारा खांसने या छींकने पर आते हैं। यह नाक, आंख और मुंह के जरिए दूसरे व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करता है। आप बच्चे को बताएं कि चेहरे को छूने से बचना क्यों आवश्यक है।वयस्कों के लिए भी, चेहरे को छूने की आदत नहीं रखनी चाहिए।

पर्याप्त नींद है जरूरी

पर्याप्त नींद लेना जरूरी होता है, खासकर बच्चों के लिए। नींद की कमी अक्सर कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़ी होती है। अध्ययनों से पता चला है कि जिन लोगों को अच्छी नींद नहीं आती है, उनके बीमार होने की संभावना अधिक होती है और यह बच्चों में भी होता है। माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बच्चे पर्याप्त नींद ले रहे हैं या नहीं।

ये मसाले बॉडी को रखते हैं अंदर से गर्म, ऐसे करें सेवन

काढ़ा कई तरह के जड़ी-बूटियों से तैयार किया जाने वाला एक तरह का औषधिय पेय होता है। ठंड के मौसम में काढ़े का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है। यह शरीर को अंदर से गर्म रखने के साथ ही फ्लू और वायरस से बचाने का काम भी करते हैं। ठंड के दिनों में शरीर को अधिक गर्माहट की जरूरत होती है। स्वेटर, रजाई आपके शरीर को बाहर से गर्म रखने का काम करते हैं। लेकिन निरोग रहने के लिए आंतरिक तापमान का नॉर्मल रहना जरूरी है। यह तब ही मुमकिन हो पाता है जब आप गर्म प्रकृति वाले खान-पान का सेवन करते हैं। यही वजह है कि एक्सपर्ट सर्दियों के दिनों में नॉर्मल चाय की जगह पर काढ़ा पीने की सलाह देते हैं।

विंटर सुपर ड्रिंक से ये बीमारियां रहती हैं दूर

सर्दी-खांसी, कैंसर, हाई कोलेस्ट्रॉल, सूजन, लीवर डिजीज, ब्रेन डिजीज, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड शुगर, मोटापा, फ्लू, डाइजेशन प्रॉब्लम।

अदरक

एनसीबीआई में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, अदरक सर्दी, गले में खराश, बलगम और बॉडी में सूजन से बचाव करने का काम करता है। अदरक में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल जैसे औषधीय गुण मौजूद होते हैं, जो इसे ठंड के मौसम के लिए बेहतर औषधी बनाते हैं।

दालचीनी

दालचीनी एक गर्म मसाला होता है, इसलिए एक्सपर्ट ठंड में इसके सेवन की सलाह देती हैं। दालचीनी में एंटी-डायबिटीक गुण मौजूद होता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नॉर्मल रखने का काम करता है। इसके अलावा दालचीनी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इफ्लेमेंटरी वाले औषधीय गुण भी होते हैं, जो कैंसर,पाचन संबंधी बीमारी, सूजन आदि से बॉडी की रक्षा करते हैं।

मुलेठी

मुलेठी प्राचीन समय से आयुर्वेद में इस्तेमाल की जाने वाली जड़ी-बूटी है। मुलेठी में एंटीसेप्टिक, एंटी-डायबिटीक से लेकर एंटीऑक्सीडेंट गुण और श्वसन और लीवर संबंधित बीमारियों से लड़ने वाले गुण होते हैं। इसके अलावा एक्सपर्ट बताती हैं कि मुलेठी अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने, वेट लॉस करने और गले की खराश-खांसी के उपचार में भी मदद करता है।

ऐसे बनाएं काढ़ा

सामाग्री–मुलेठी, अदरक, दालचीनी।

विधि: विंटर के इस सुपर ड्रिंक को बनाने के लिए 3-4 घंटे पहले मुलेठी, अदरक और दालचीनी का एक-एक टुकड़ा पानी में भिगोया छोड़ दें। अब इसे एक बर्तन में 5-10 मिनट के लिए उबाल लिजिए। फिर छानकर इसका सेवन करें।

कैसे करें सेवन: इसे आप शाम की चाय के स्थान पर पी सकते हैं। बस ध्यान रहें कि इसमें चायपत्ती न डालें। इस ड्रिंक का सेवन दिन में दो बार सुबह-शाम कर सकते हैं।

डिस्क्लेमर: यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

बदल डालिए इन Bad habits को नहीं तो पड़ सकता है पछताना

हमारे दैनिक दिनचर्या में बहुत अधिक बैठना या लेटना और बहुत कम करना या कोई व्यायाम नहीं करना सेहत के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं माना जाता है। इससे गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। इसे गतिहीन जीवन शैली या फिर सेडेंट्री लाइफस्टाइल भी कहते हैं।

गतिहीन जीवन शैली क्या होता है?

गतिहीन जीवन शैली मूल रूप से एक प्रकार की जीवन शैली है जहां एक व्यक्ति दैनिक दिनचर्या में नियमित मात्रा में शारीरिक गतिविधि नहीं करता है। दिनभर बैठे रहने की वजह से मेटाबॉलिस्म भी धीमी होने लगती है और ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने और फैट को कम करने की शरीर की क्षमता भी कम हो सकती है। इसके कई अन्य खतरे भी हैं।

सेडेंट्री लाइफस्टाइल के खतरे

गतिहीन जीवन शैली फेफड़ों के कार्य को प्रभावित कर सकती है। जानकारों के मुताबिक गतिहीन जीवनशैली न केवल

आपके आईसीयू में उतरने के जोखिम को बढ़ाती है बल्कि सक्रिय जीवनशैली की तुलना में आपके जीवित रहने की दर पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

यह मोटापे को बढ़ावा देता है। जिन लोगों की गतिहीन जीवन शैली होती है वे आमतौर पर अधिक वजन वाले या मोटे होते हैं। इसके अलावा, गतिहीन जीवन शैली वाले लोगों में मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी कई गंभीर स्थितियां भी पैदा हो सकती हैं।

धूम्रपान और शराब जैसी खराब आदतें, जो अक्सर एक गतिहीन जीवन शैली के बाद होता हैं, उनके परिणामस्वरूप भी फेफड़े कमजोर होते हैं। इनके अलावा स्लीप एपनिया सिंड्रोम, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हाइपरलिपिडेमिया, विभिन्न मस्कुलोस्केलेटल विकार समेत कई अन्य रोग घेर सकते हैं।

एक्टिव रहने के टिप्स

1. सप्ताह में कम से कम 5 दिन प्रति दिन 45 मिनट व्यायाम करना समग्र स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। इसके अलावा तेज चलना, दौड़ना, टहलना, साइकिल चलाना या तैरना जैसे एक्टिविटीज शरीर के लिए फायदेमंद हैं।

2. लिफ्ट के बजाय सीढ़ियां लेना या अपने वाहन को अपने कार्यालय से एक या दो ब्लॉक पहले पार्क करना और बाकी रास्ते में चलना भी आपको नियमित रूप से शारीरिक गतिविधी प्रदान करने में मदद कर सकता है। सीढ़ियां चढ़ने से आपका दिल पंप हो सकता है और आपकी मांसपेशियों, हड्डी, जोड़ और फेफड़ों के स्वास्थ्य को बढ़ावा मिल सकता है। पैदल चलने से कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं जैसे हृदय रोग का जोखिम कम होना, रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि और तनाव और रक्तचाप के स्तर में कमी आना।

3. डेस्क पर लगातार एक घंटे से ज्यादा बैठने से बचें। काम के बीच में समय निकालकर उठें और थोड़ा घूमें फिर वापस काम पर बैठ जाएं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आपकी मांसपेशियां कठोर न हों और आपके डेली स्टेप्स की संख्या भी बढ़े।

4. अपनी कुर्सी पर बैठकर या ऑफिस में दो मिनट के ब्रेक के दौरान कई तरह के व्यायाम किए जा सकते हैं। फिजिकल एक्टिविटी के छोटे-छोटे स्टेप्स हमारे मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करते हैं और प्रभाव कई घंटों तक बना रहता है।

5. अधिक खाने से बचें विशेष रूप से चीनी से। अपने आहार में स्वस्थ सब्जियों और फलों को शामिल करें और संतुलित आहार लें।

6. शराब और धूम्रपान से दूर रहें।

7. व्यायाम सुबह या शाम किसी भी समय किया जा सकता है, ले कि न खाने के कम से कम 1/2 घंटे बाद।

8. जब आप खड़े हो सकते हैं तब खड़े होने से आपकी मांसपेशियों को मजबूत करने और अतिरिक्त कैलोरी जलाने में मदद मिल सकती है। जब आप कॉल कर रहे हों, टीवी देख रहे हों या कोई अन्य ऐसी एक्टिविटी जिसे आप खड़े होकर कर सकें तो जरूर करें।

रक्तचाप को नियंत्रित करता है 'पत्ता गोभी

पत्ता गोभी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट अल्जाइमर जैसी समस्याओं से बचाते हैं। वजन घटाने के लिए गोभी को डाइट में शामिल करें। पत्ता गोभी का सेवन आपकी त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद होता है।

पत्ता गोभी के स्वास्थ्य लाभ : फिट और स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि सब्जियों को आहार में शामिल किया जाए, सब्जियां शरीर में पोषक तत्वों की आपूर्ति करती हैं। ऐसे में पत्ता गोभी आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। पत्ता गोभी ज्यादातर सभी को पसंद होती है, इसका इस्तेमाल सिर्फ सब्जी के तौर पर ही नहीं बल्कि कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाने में भी किया जाता है।

इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती है, इसलिए वजन घटाने के लिए डाइटिंग करने वालों के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसमें विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो आपकी सेहत को कई फायदे देते हैं। पत्ता गोभी का सेवन न सिर्फ दिल की बीमारियों को दूर करने में मददगार होता है बल्कि यह आपकी त्वचा और बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं, पत्ता गोभी के अन्य स्वास्थ्य लाभ- रिपोर्ट के अनुसार पत्ता गोभी में कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है। यह आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगने देता और वजन घटाने में मदद करता है। डाइटर्स के लिए गोभी का सूप और सलाद एक बेहतरीन और पौष्टिक विकल्प माना जाता है।

स्वस्थ दिल के लिए पत्ता गोभी:

पत्ता गोभी के सेवन से दिल की सेहत ठीक रहती है। उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में पत्ता गोभी पॉलीफेनोल्स से भरपूर होती है जो ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को कम कर दिल की बीमारियों के खतरे को कम करती है।

दिमाग के लिए बेस्ट पत्ता गोभी :

पत्ता गोभी में विटामिन-के भरपूर मात्रा में होता है जो दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद होता है। एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में, यह पार्किंसंस रोग, मनोभ्रंश और अल्जाइमर और बीमारियों से बचाता है। इसके अलावा पत्ता गोभी नींद की समस्या को कम करने और अच्छी नींद लेने में मदद कर सकती है। पत्ता गोभी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती है। यह त्वचा पर काले धब्बे और झुर्रियों को कम करने में भी मदद करता है।

पत्ता गोभी सिर्फ त्वचा को ही नहीं बल्कि बालों को स्वस्थ और मजबूत रखने में मददगार है। यह कमजोर बालों के झडने और दोमुंहे बालों जैसी समस्याओं को कम करने में भी कारगर है।

मन को शांत और एकाग्रचित करने के लिए अपनाएं मेडिटेशन

हम सभी जानते हैं कि योग ना केवल हमारे शरीर को बल्कि हमारे दिल और दिमाग को भी शांत करता है। साथ सकारात्मकता, आशावाद और खुशी की भावना को बढ़ावा देता है। हम अपने भीतर निहित इन रचनात्मक प्रतिभाओं के बारे में भूल गए हैं क्योंकि हमारा दिमाग और दिल तनाव, चिंता और अपेक्षाओं से भर गया है। ऐसे में कई बार इसका असर हमारे शरीर पर भी दिखने लगता है। लेकिन अगर हम अपने अंदर के छिपे हुए रचनात्मकता को फिर से जगाना चाहते हैं तो, इसके लिए हमें ध्यान और योग को शुरू करना होगा। तो ध्यान करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है? आइए जानते हैं उन तरीकों को जो हमारे व्यक्तित्व के साथ सबसे अच्छा काम करेंगे। हालांकि, यह आपको तय करना होगा कि आपके लिए कौनसा तरीका सर्वश्रेष्ठ है।

भावातीत ध्यान

ध्यान का यह रूप भारत में महर्षि महेश योगी द्वारा बनाया गया था और इसने दुनिया भर में बड़ी सफलता देखी है। यह मूल रूप से एक मंत्र ध्यान है जिसे मौन में किया जाता है और कहा जाता है कि यह चेतना की उच्च अवस्थाओं तक पहुंचने में मदद करता है। हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है और रक्तचाप को कम करता है। बीटल्स ट्रान्सेंडैंटल मेडिटेशन के अनुयायी थे और उन्होंने इस अभ्यास का समर्थन करने और इसे सात समुद्रों में फैलाने के लिए बहुत कुछ किया। इस तकनीक में मन में चुपचाप जप की गई ध्वनि का उपयोग शामिल है और इसका अभ्यास दिन में 20 मिनट तक किया जाता है। समर्थक आत्म-विकास के एक उपकरण के रूप में इसकी प्रभावकारिता की शपथ लेते हैं।

निर्देशित ध्यान

यह एक ध्यान केंद्रित अभ्यास है जिसमें आप चिकित्सक की आवाज सुनते हैं जबकि वे आपको ऐसे परिदृश्यों के मानसिक चित्र बनाने में मदद करते हैं जो आपको शांत और शांतिपूर्ण लगते हैं। जब आप अपने आप को एक बहते हुए झरने, पेड़ों की छाया के माध्यम से बहती हुई सूरज की किरणों, पक्षियों के चहकने की कल्पना करते

हैं, तो आप तुरंत इस शांत वातावरण में पहुँच जाते हैं। भावनात्मक तरलता की परिवर्तित अवस्थाओं तक पहुँचने के लिए यह प्रपत्र एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कल्पना का उपयोग करता है।

दया और करुणा ध्यान

यह प्रार्थना के समान है जहां हम दूसरों के प्रति अपने सकारात्मक भावों को निर्देशित करते हैं। केंद्रित एकाग्रता के साथ, हम उन्हें उपचार भेजते हैं और उनके सुख और शांति की कामना करते हैं। इससे हमें अपने स्वयं के कष्टों को कम करने में मदद मिलती है, क्योंकि जब हम अच्छे इरादे भेजते हैं, तो हम अपने स्वयं के स्पंदनों को बढ़ा रहे होते हैं।

माइंडफुलनेस मेडिटेशन

यह संभवतः सबसे लोकप्रिय रूप है जिसका व्यावसायीकरण ध्यान के बड़े ब्रांड गुरुओं द्वारा किया गया है जो अपने रिट्रीट में शामिल होने के लिए हजारों डॉलर के टिकट चार्ज करते हैं। वे हमें सावधान रहना सिखाते हैं जो वर्तमान में मौजूद रहने की कला है। वर्तमान क्षण ही आपकी एकमात्र वास्तविकता है, अतीत और भविष्य जलते हुए बुलबुले की तरह हैं। यदि आप उन्हें छूने की कोशिश करते हैं, तो वो फट जाते हैं। वर्तमान वह है जिसे आप अपनी पांच इंद्रियों के माध्यम से महसूस कर सकते हैं और माइंडफुलनेस की कला आपके द्वारा महसूस किए जाने वाले अनुभवों पर ध्यान दे रही है।

ऊपर दिए गए टिप्स के कारगार होने की हम पुष्टि नहीं करते है। यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी समस्या या इलाज के लिए डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

BNM Fantasy

Thursday
14 December 2023

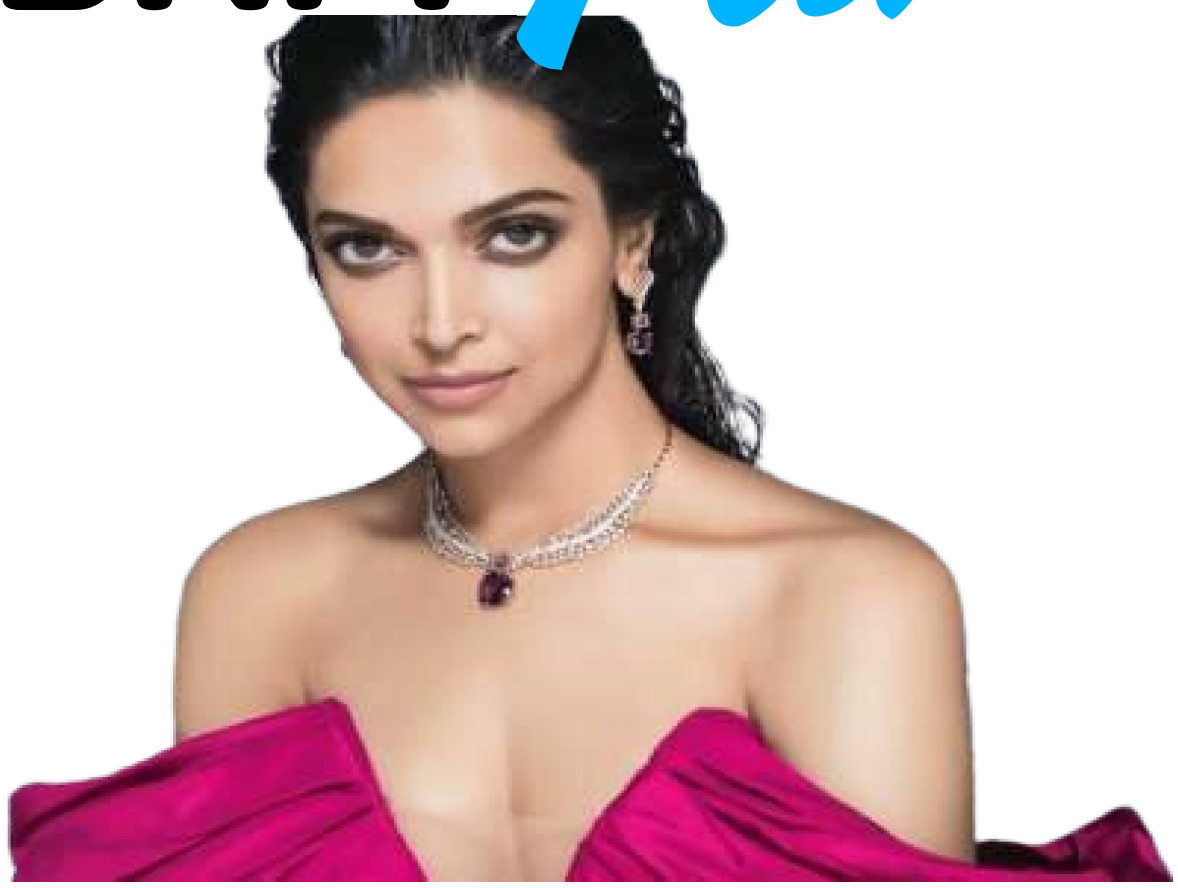

फाइटर' से दीपिका पादुकोण का लुक आउट

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' सुर्खियों में है। आज यानी 5 दिसंबर को फिल्म से दीपिका का लुक आउट कर दिया गया है। यह फिल्म भारत की पहली हवाई एक्शन फिल्म होगी। दीपिका ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा है- स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़, कॉल साइनः मिन्नी, डेजिग्नेशन : स्क्वाड्रन पायलट और यूनिटः एयर ड्रेगन। ऋतिक रोशन और दीपिका दोनों ही फिल्म में स्क्वाड्रन पायलट के लुक में नजर आएंगे। रणवीर सिंह ने दीपिका के पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा- सोरिंग (उड़नेवाला)। उनके अलावा भी यह लुक देखकर सभी तारीफ कर रहे हैं। एक्टर-डायरेक्टर फरहान अख्तर ने ऋतिक के पोस्ट पर लिखा- शार्प लुक।

जेंडर भेदभाव का शिकार हो चुकी हैं दीया मिर्जा

दीया मिर्जा ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में जेंडर भेदभाव पर बात की है। दीया ने बताया है कि जब वे इंडस्ट्री में आई थीं, तब एक्टर्स की संख्या ज्यादा थी। इस कारण भेदभाव बड़े स्तर पर होता ही था। उन्होंने यह भी बताया है कि आउटडोर शूट के वक्त एक्ट्रेसेस को वैनिटी वैन की सुविधा भी नहीं दी जाती थी। उन्हें कपड़े पेड़ या पत्थर के पीछे बदलने पड़ते थे। कई कलाकारों के लिए जूनियर आर्टिस्ट साड़ी और चादर का घेरा बनाते थे, जिसमें वे लोग कपड़े चेंज करते थे। एक्ट्रेसेस के लिए अलग से बाथरूम तक की कोई व्यवस्था नहीं रहती थी। इंटरव्यू में दीया मिर्जा ने कहा- जब मैंने फिल्मों में कदम रखा था, जब सेट पर बहुत कम महिलाएं काम करती थीं। इस कारण हर मोड़ पर भेदभाव का एहसास होता था। हमें हर तरह से अलग ट्रीट किया जाता था। मेल एक्टर्स की वैनिटी वैन की तुलना में हमारी वैन की साइज छोटी होती थी। जब हन गाना शूट करने के आउटडोर जाते थे, तब कपड़े बदलने के लिए प्रॉपर सुविधा नहीं रहती थी। बाथरूम का इंतजाम भी नहीं होता था। दीया ने यह भी बताया कि अगर वे या कोई भी एक्ट्रेस सेट पर लेट आती थीं, तो उन्हें अनप्रोफेशनल का टैग मिल जाता था। मगर वहीं मेल एक्टर पर यह चीज लागू नहीं होती थी। उनके लेट आने पर किसी को कोई दिक्कत होती थी। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के दौरान ANI को दिए इंटरव्यू में आशा पारेख ने भी इस विषय पर बात की थी।

तमाम अभिनेत्रियो के बाद प्रियंका का डीपफेक वीडियो

अभिनेत्री की आवाज से हुई छेड़छाड़

सोशल मीडिया पर रश्मिका मंदाना का एक डीपफेक वीडियो वायरल होने के बाद सभी को इसके खिलाफ आवाज उठाते देखा गया था। जहां एक तरफ डीपफेक वीडियो की जमकर आलोचना की जा रही थी, वहीं दूसरी तरफ एक के बाद एक अभिनेत्री की क्लिप वायरल हो रही थीं। रश्मिका के बाद आलिया, कटरीना और काजोल के भी डीपफेक वीडियो ने इंटरनेट पर बवाल मचा दिया था। इन सबके बाद अब, प्रियंका चोपड़ा की मॉर्फ्ड आवाज वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसने सभी को एक बार फिर टेक्नोलॉजी के इस गहराते संकट पर विचार करने के लिए उत्सुक कर दिया है।तमाम अभिनेत्रियों के बाद अब ग्लोब स्टार प्रियंका चोपड़ा भी डीपफेक वीडियो की शिकार हो गई हैं। जहां पिछली सभी वीडियो में मशहूर अभिनेत्रियों के चेहरों को अश्लील कंटेंट पर लगाया गया था, वहीं इस वीडियो में एक रियल इंटरव्यू से प्रियंका की आवाज और उनके द्वारा बोली गई बातों को बदल दिया गया है। छेड़छाड़ की गई क्लिप में प्रियंका की आवाज और उनकी मूल बातों को एक नकली ब्रांड समर्थन के साथ बदला गया है। इस फर्जी क्लिप में प्रियंका अपनी सालाना कमाई का खुलासा करने के साथ-साथ एक ब्रांड का प्रचार करती नजर आ रही हैं। प्रियंका से पहले आलिया भट्ट का डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में एक लड़की नीले रंग का फ्लोरल को-ऑर्ड सेट पहने हुए थी, जिस पर आलिया का चेहरा था और वह कैमरे की ओर कुछ इशारे कर रही थी। कुछ दिनों पहले काजोल का एक वीडियो भी ऑनलाइन सामने आया था। डीपफेक में ब्रीन का चेहरा काजोल के चेहरे से बदल दिया गया था। क्लिप में काजोल को कैमरे के सामने कपड़े बदलते हुए दिखाया गया था। नया वीडियो रश्मिका मंदाना, कटरीना कैफ और बाकी अभिनेत्रियों के वीडियो वायरल होने के बाद वायरल हुआ है।प्रियंका का यह वीडियो तो चल रहा है, लेकिन जिस हैंडल से इसे शेयर किया गया है वह डिएक्टिवेट लग रहा है।